लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण और ग्रामीण विकास

संपादक
पी.पी.गौर . आर.के.मराठा

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

प्रस्तावना (vii)

दो शब्द (ix)

अध्याय		पृष्ठ संख्या
1.	लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण की अवधारणा एवं भारत में पंचायत राज का विकास *—डॉ० गोपाल शर्मा*	1
2.	लोकतांत्रिक व्यवस्था में पंचायती राज की प्रासंगिकता *—प्रो० जी०पी० नैमा*	10
3.	मध्यप्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था का यथार्थ एवं भावी चुनौतियाँ (गुना जिले के विशेष संदर्भ में प्रस्तुत) *—डॉ० श्याम मोहन मिश्र*	15
4.	पंचायती राज एवं ग्रामीण नेतृत्व में जाति पंचायतों की महत्वपूर्ण भूमिका *—डॉ० आनन्द प्रकाश सिंह, डॉ० मनोज कुमार सिंह*	23
5.	गांधीवाद में ग्रामीण विकास की अवधारणा *—डॉ० जयप्रकाश शाक्य, डॉ० गिरिजेश शाक्य*	28
6.	पंचायती राज्य और प्रशासनिक समस्याएँ : समीक्षात्मक अध्ययन (म०प्र० के विशेष संदर्भ में) *—डॉ० एम०एस० खान*	37
7.	प्राचीन भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण *—डॉ० श्रीमती ऊषा मिश्रा, डॉ० श्रीमती उमा त्रिपाठी, डॉ० दुर्गा त्रिपाठी*	40
8.	जनसंख्या नियन्त्रण में पंचायती राज की भूमिका *—श्रीमती विजय लक्ष्मी जैश*	46

Scanned by TapScanner

अध्याय		पृष्ठ संख्या
9.	पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास–एक मूल्यांकन *–एस०पी० शुक्ला*	49
10.	पंचायती राज व्यवस्था : नवीन ग्रामीण नेतृत्व का आविर्भाव *–कु० माया शर्मा, कु० राजश्री शुक्ला*	58
11.	पंचायती राज संस्थायें–सिद्धांतिक एवं व्यवहारिक पहलू *–डॉ० भगवानदास*	68
12.	पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास *–प्रो० चित्रा प्रभात, प्रो० आर०बी० सिंह, प्रो० राजीव शर्मा*	76
13.	पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास *–एडवोकेट मीना सिंह यादव*	81
14.	पंचायतों में महिला की भागीदारी *–डॉ० श्रीमति विजय लक्ष्मी जैश*	84
15.	भारतीय संस्कृति और ग्राम्य जीवन *–डॉ० राका जैन*	89
16.	मध्यप्रदेश में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण एवं पंचायती राज द्वारा विकास *–डॉ० ममता चानना, डॉ० अश्वनी दुबे*	93
17.	राष्ट्रीय राजनीति विज्ञान शोध संगोष्ठी, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास *–डॉ० अपर्णा खरे*	98
18.	पंचायती राज व्यवस्था एवं जिला सरकार *–दिनेश सिंह*	107
19.	लोकतन्त्रीय विकेन्द्रीकरण: एक चिन्तन *–प्रो० एस०के० पटेल, प्रो० अनुराग वर्द्धन पाण्डेय*	116
20.	पंचायती राज की भूमिका *–डॉ० अनुपमा यादव, डॉ० एम० एस० यादव*	120
21.	सत्ता का लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण–एक विश्लेषणात्मक अध्ययन *–डॉ० राजेन्द्र कुमार मराठा, प्रो० एस० एन० त्रिपाठी*	125

Scanned by TapScanner

अध्याय	पृष्ठ संख्या
22. सत्ता का विकेन्द्रीकरण: मध्य प्रदेश में जिला सरकार *–संजय सिंह, वी०एन० सिंह*	131
23. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण एवं ग्रामीण विकास *–सुदीप कुमार श्रीवास्तव*	136
24. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और ग्रामीण विकास *–डॉ० अनिल कुमार जैन, डॉ० एस०के० त्रिपाठी*	141
25. लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण और पंचायती राज *–प्रो० पी०पी० गौर*	146

Scanned by TapScanner